



Satvik



Yogesh

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121773301

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
07/01/1996 :	जन्म तिथि	: 23/12/1994
रविवार :	दिन	: शुक्रवार
घंटे 17:34:00 :	जन्म समय	: 14:10:00 घंटे
घटी 26:33:20 :	जन्म समय(घटी)	: 18:15:07 घटी
India :	देश	: India
Lucknow :	स्थान	: Gorakhpur
26:50:00 उत्तर :	अक्षांश	: 26:45:00 उत्तर
80:54:00 पूर्व :	रेखांश	: 83:23:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:06:24 :	स्थानिक संस्कार	: 00:03:32 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:56:40 :	सूर्योदय	: 06:41:50
17:28:15 :	सूर्यास्त	: 17:09:05
23:48:13 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:47:25
मिथुन :	लग्न	: मेष
बुध :	लग्न लग्नाधिपति	: मंगल
कर्क :	राशि	: सिंह
चन्द्र :	राशि-स्वामी	: सूर्य
पुष्य :	नक्षत्र	: मघा
शनि :	नक्षत्र स्वामी	: केतु
3 :	चरण	: 3
विष्कुम्भ :	योग	: प्रीति
तैतिल :	करण	: गर
हो-होशियार :	जन्म नामाक्षर	: मू-मुक्ता
मकर :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: मकर
विप्र :	वर्ण	: क्षत्रिय
जलचर :	वश्य	: वनचर
मेष :	योनि	: मूषक
देव :	गण	: राक्षस
मध्य :	नाड़ी	: अन्त्य
मेष :	वर्ग	: मूषक

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी
शनि 8वर्ष 10मा 8दि
केतु

16/11/2021

15/11/2028

केतु	14/04/2022
शुक्र	14/06/2023
सूर्य	20/10/2023
चन्द्र	20/05/2024
मंगल	16/10/2024
राहु	04/11/2025
गुरु	10/10/2026
शनि	19/11/2027
बुध	15/11/2028

अंश

24:47:06
22:39:47
10:27:03
05:26:51
10:50:20
07:08:28
26:48:09
26:03:36
28:26:21
28:26:21
05:55:04
01:07:04
08:21:16

राशि

मिथु
धनु
कर्क
मक
मक
धनु
मक
कुंभ
कन्या व
मीन व
मक
मक
वृश्चि

ग्रह

लग्न
सूर्य
चंद्र
मंगल
बुध
गुरु
शुक्र
शनि
राहु व
केतु व
हर्ष
नेप
प्लूटो

राशि

मेष
धनु
सिंह
सिंह
धनु
वृश्चि
तुला
कुंभ
तुला
मेष
मक
धनु
वृश्चि

अंश

22:24:43
07:29:42
07:38:31
08:11:38
12:43:24
09:10:23
22:37:13
13:31:51
19:45:53
19:45:53
01:11:40
28:27:41
05:26:25

विंशोत्तरी

केतु 2वर्ष 11मा 26दि
चन्द्र

19/12/2023

18/12/2033

चन्द्र	18/10/2024
मंगल	19/05/2025
राहु	18/11/2026
गुरु	19/03/2028
शनि	19/10/2029
बुध	20/03/2031
केतु	19/10/2031
शुक्र	19/06/2033
सूर्य	18/12/2033

व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

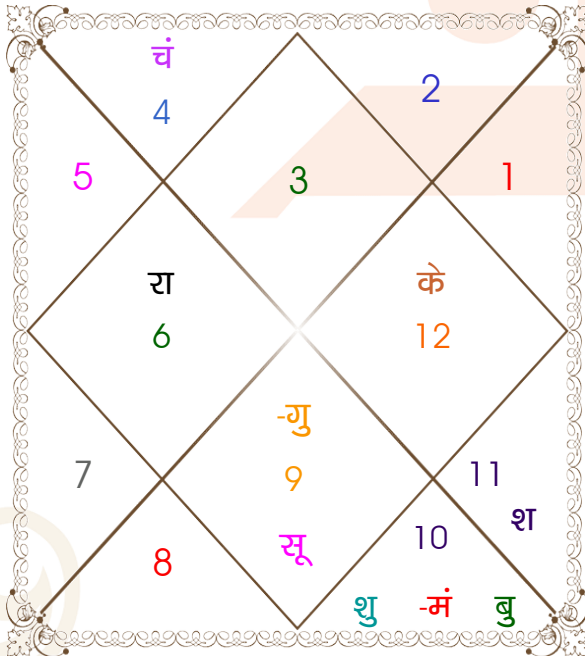
राहु : स्पष्ट

23:48:13

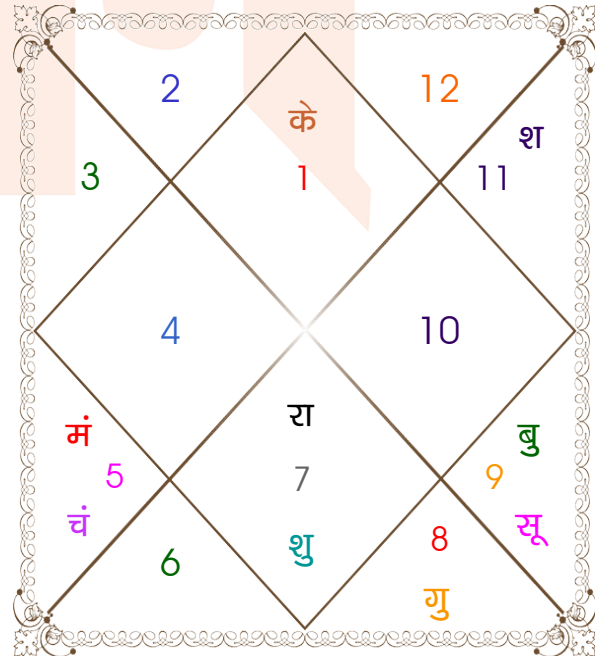
चित्रपक्षीय अयनांश

23:47:25

लग्न-चलित



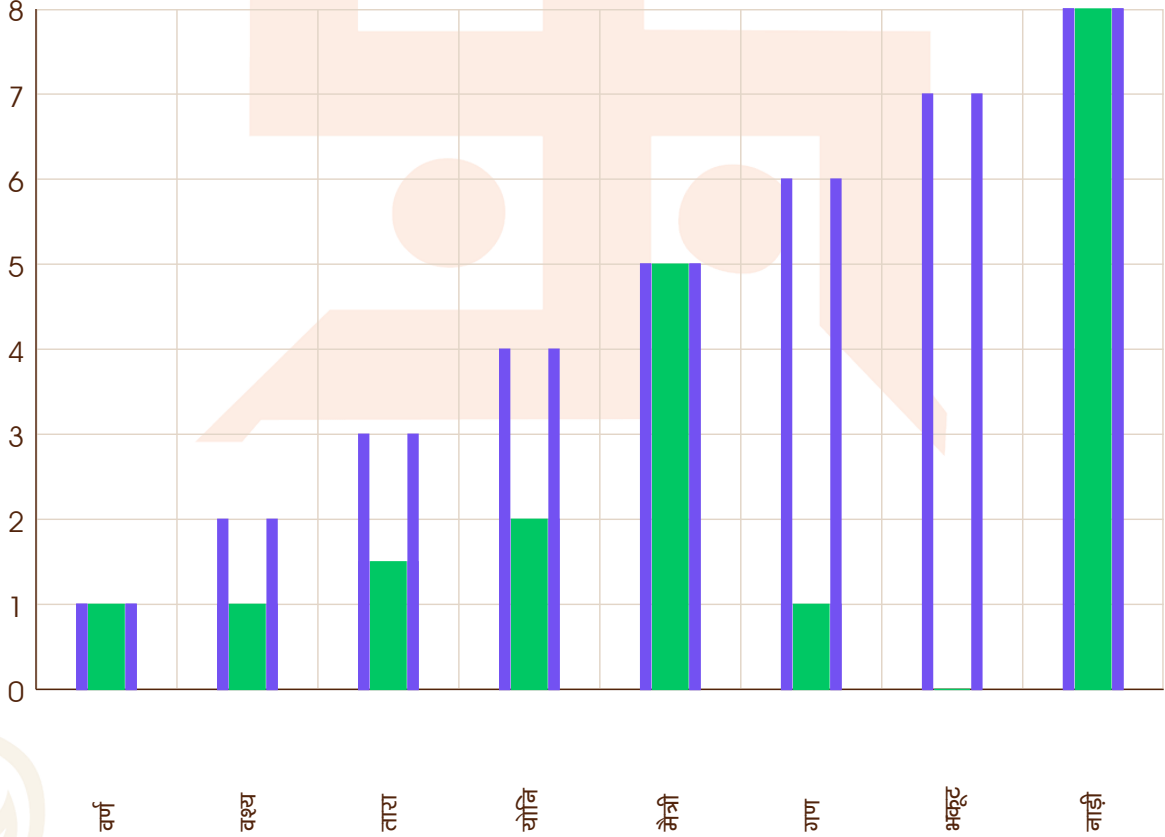
लग्न-चलित



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	वनचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मेष	मूषक	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	सूर्य	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	सिंह	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाडी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.50		

कुल : 19.5 / 36



अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Satvik का वर्ग मेष है तथा Yogesh का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Satvik और Yogesh का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Satvik मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Satvik कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Yogesh मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Yogesh कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Satvik तथा Yogesh में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Satvik का वर्ण ब्राह्मण तथा Yogesh का वर्ण क्षत्रिय है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। जिसके प्रभाव से Yogesh में अपने पति के प्रति अगाध प्रेम, श्रद्धा एवं सम्मान की भावना रहेगी। कभी-कभी क्षत्रिय खून की गर्मी भी समय-समय पर उबाल मारने के कारण समय-समय पर Yogesh आक्रामक व्यवहार कर सकती हैं हालांकि उनका व्यवहार कभी भी अनियंत्रित नहीं होगा। Yogesh सदैव अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन भली-भांति करती रहेंगी तथा वे सदैव प्रशंसा की पात्र रहेंगी।

वश्य

Satvik का वश्य जलचर है एवं Yogesh का वश्य वनचर है। जिसके कारण यह मिलान औसत मिलान है। जलचर एवं वनचर दो भिन्न वश्य हैं किंतु दोनों एक-दूसरे को नुकसान नहीं पहुंचाएंगे हालांकि उनके स्वभाव, गुण, खान-पान एवं व्यवहार एक-दूसरे से बिल्कुल भिन्न होंगे। जलचर Satvik एवं वनचर Yogesh का विवाह होने से दोनों के विचारों, पसंद/नापसंद में भिन्नता होने के बावजूद दोनों आपस में समझौता कर एवं सामंजस्य स्थापित कर खुशी पूर्वक जीवन व्यतीत करते रहेंगे।

तारा

Satvik की तारा मित्र तथा Yogesh की तारा विपत है। Yogesh की तारा विपत होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। यह मिलान Satvik एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्य एवं नुकसान का कारण बन सकता है। परन्तु कड़े एवं लगातार प्रयासों के बाद परिणाम सुखदायी हो सकता है। संभव है कि Yogesh का रुख सहयोगात्मक नहीं हो तथा आपसी विश्वास, प्रेम एवं समझ की कमी बनी रहे। अक्सर पति एवं पत्नी के बीच संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े रह सकते हैं तथा बच्चे भी इसका गलत फायदा उठाएंगे। जिसके कारण संभव है कि बच्चे योग्य एवं आज्ञाकारी नहीं हों।

योनि

Satvik की योनि मेष है तथा Yogesh की योनि मूषक है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात् सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में

दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात् मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात् धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Satvik एवं Yogesh दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि Satvik एवं Yogesh के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण Satvik एवं Yogesh जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

Satvik का गण देव तथा Yogesh का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसी परिस्थिति में Yogesh निर्दयी, निष्ठुर एवं क्रूर स्वभाव की हो सकती हैं जो वर, उसके बच्चों तथा परिवार के सदस्यों के लिए बुरा एवं घातक साबित हो सकता है। ऐसी पत्नी से अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वह अपने पति, परिवार अथवा सामाजिक दायित्वों का अच्छी प्रकार से निर्वहन करेंगी। Yogesh की अक्सर दूसरों से लड़ाई-झगड़ा करना एवं लोगों को उकसाना इसी प्रकार की आदत होगी।

भकूट

Satvik से Yogesh की राशि द्वितीय भाव में स्थित है तथा Yogesh से Satvik की राशि द्वादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा नहीं है। जिसके कारण Satvik गुस्सैल एवं लड़ाकू स्वभाव के हो सकते हैं। साथ ही शारीरिक रूप से कमजोर तथा अपव्ययी होंगे। Yogesh समझौतावादी, सौम्य एवं दयालु प्रवृत्ति की होंगी तथा अपने कर्तव्यों एवं उत्तरदायित्वों को आसानी से बखूबी निभाती रहेंगी तथा बचत भी करती रहेगी। दूसरी ओर Satvik शाहखर्च, लापरवाह एवं अय्याशी में पैसे बर्बाद करने वाले हो सकते हैं।

नाड़ी

Satvik की नाड़ी मध्य है तथा Yogesh की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह जीवन के लिए आवश्यक दो महत्वपूर्ण अवयवों का समन्वय है। अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ काया एवं अच्छे यौन जीवन के लिए वात, पित्त एवं कफ का शरीर में संतुलन आवश्यक है। जिसके कारण Satvik एवं Yogesh के बीच साहचर्य, सुख एवं समृद्धि की वृद्धि तथा उन्हें अच्छे, स्वस्थ एवं आज्ञाकारी संतान प्रदान होगी।



मेलापक फलित

स्वभाव

Satvik की जन्मराशि जलतत्व युक्त कर्क तथा Yogesh की राशि अग्नितत्व युक्त सिंह है। नैसर्गिक रूप से अग्नि एवं जल का परस्पर शत्रु एवं विषमता का भाव होता है। अतः Satvik और Yogesh के मध्य स्वभावगत असमानताएं विद्यमान रहेंगी जिससे उनका दाम्पत्य जीवन विशेष अच्छा नहीं रहेगा।

Satvik की राशि का स्वामी चन्द्रमा तथा Yogesh की राशि का स्वामी सूर्य परस्पर मित्र राशियों में स्थित हैं। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह स्थिति उत्तम रहेगी। इसके प्रभाव से मतभेदों एवं असमानताओं को दूर करने में Satvik और Yogesh को सफलता प्राप्त होगी। साथ ही मित्रता के भाव से एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा करेंगे तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे। इससे परस्पर प्यार सहानुभूति एवं सहयोग का भाव बना रहेगा एवं प्रसन्नता पूर्वक जीवन को व्यतीत करने में समर्थ रहेंगे।

Satvik और Yogesh की राशियां परस्पर द्वितीयद्वादश भाव में पड़ती है। यह एक प्रबल भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से Satvik और Yogesh के स्तर पर अत्यधिक विषमता का भाव दृष्टिगोचर होगा जिससे परस्पर मतभेद एवं विवाद होंगे तथा यदा कदा क्रोध आदि के भाव का भी प्रदर्शन करेंगे। अतः यदि Satvik और Yogesh सामंजस्य पूर्वक रहें तथा उग्रता के भाव का परित्याग कर सकें तो संबंधों में मधुरता का भाव हो सकता है।

Satvik का वश्य जलचर तथा Yogesh का वश्य वनचर है। इन दोनों की परस्पर मित्रता होने के कारण Satvik और Yogesh की अभिरूचियों में समानता होगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकताएं समान रहेंगी। फलतः काम संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ होंगे जिससे जीवन की प्रसन्नता बनी रहेगी।

Satvik का वर्ण ब्राह्मण तथा Yogesh का वर्ण क्षत्रिय है। अतः कार्य क्षेत्र में भी इनकी क्षमताओं में समानता रहेगी। Satvik शैक्षणिक तथा धार्मिक कार्यों को सम्पन्न करेंगे तथा Yogesh की प्रवृत्ति उत्साही पराकामी तथा साहसिक कार्यों के प्रति रहेगी फलतः कार्य क्षेत्र में उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे।

धन

Satvik और Yogesh की तारा परस्पर सम है। अतः इनकी आर्थिक स्थिति पर तारा का प्रभाव विशेष शुभ या अशुभ नहीं रहेगा। लेकिन इनकी राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती हैं जो एक प्रबल भकूट दोष माना जाता है तथा आर्थिक स्थिति पर इसका विशेष दुष्प्रभाव पड़ता है। परन्तु मंगल का आर्थिक क्षेत्र पर प्रभाव सम रहेगा। अतः सामान्यतया Satvik और Yogesh समृद्ध एवं सुख संसाधनों से युक्त रहेंगे।

भकूट दोष के प्रभाव से Yogesh की प्रवृत्ति अधिक एवं अनावश्यक व्ययशील रहेगी

तथा भौतिक साधनों पर अनावश्यक व्यय करेंगी। साथ ही Satvik भी जुए या अन्य व्यसनों से अधिक हानि प्राप्त कर सकते हैं। अतः आर्थिक स्थिति की सुदृढ़ता के लिए Satvik और Yogesh को अपनी ऐसी प्रवृत्तियों पर नियंत्रण रखने की कोशिश करनी चाहिए।

स्वास्थ्य

Satvik मध्य नाड़ी तथा Yogesh अन्त्य नाड़ी में उत्पन्न हुई है। अतः दोनों की नाड़ी अलग अलग होने के कारण इन पर नाड़ी दोष का प्रभाव नहीं होगा फलतः शारीरिक रूप से दोनों सामान्यतया स्वस्थ ही रहेंगे परन्तु Yogesh के स्वास्थ्य पर मंगल का अशुभ प्रभाव होगा जिससे वे रक्त या पित संबंधी परेशानी प्राप्त करेंगी तथा यदा कदा हृदय संबंधी कष्ट भी हो सकता है। साथ ही गुप्त रोग या मासिक धर्म संबंधी असुविधा भी समय समय पर होती रहेगी। Yogesh सुख के क्षणों में भी यदा कदा उदासीनता के भाव का प्रदर्शन करेंगी जिससे परस्पर संबंधों में तनाव का भाव विद्यमान होगा। अतः मंगल के अशुभ प्रभाव को कम करने के लिए Yogesh को नियमित रूप से हनुमानजी की पूजा करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास भी सम्पन्न करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Satvik और Yogesh का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Satvik और Yogesh के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Yogesh के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Yogesh को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Yogesh को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Satvik और Yogesh सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Satvik और Yogesh का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Yogesh के अपनी सास से संबंधों में अनुकूलता तथा मधुरता रहेगी तथा उनकी तरफ से Yogesh किसी भी अनावश्यक समस्या या असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा। Yogesh के हृदय में उनके प्रति सेवा भाव रहेगा तथा अपनी सेवा के द्वारा उन्हें प्रसन्न तथा

सन्तुष्ट रखने के लिए प्रयत्नशील रहेंगी। यद्यपि यदा कदा इनके मध्य मतभेद या विवाद भी होंगे लेकिन यह अल्प समय के लिए होगा तथा सामान्यतया संबंधों में मधुरता बनी रहेगी।

उनके ससुर से Yogesh को विशेष स्नेह सम्मान तथा अनुकूलता प्राप्त नहीं होगी तथा के द्वारा Yogesh को समय समय पर समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा लेकिन देवर एवं ननदों से Yogesh के अत्यंत ही स्नेह एवं सौहार्द पूर्ण संबंध रहेंगे तथा उनसे इन्हें पूर्ण सम्मान तथा सहयोग मिलेगा। साथ ही परस्पर संबंधों में मित्रता का भाव रहेगा तथा आपसी समस्याओं तथा सुख दुख में एक दूसरे को अपना सहयोग प्रदान करते रहेंगे। इस प्रकार Yogesh के सास ससुर का दृष्टिकोण सामान्यतया अनुकूल नहीं रहेगा।

ससुराल-श्री

Satvik के अपनी सास से सामान्य संबंध रहेंगे। वह अपनी ओर से उन्हें पूर्ण आदर तथा सम्मान प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा के प्रति भी तत्पर रहेंगे। इनके मध्य कोई विशेष मतभेद नहीं रहेंगे तथा Satvik अवसरानुकूल सपत्नीक से मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी।

ससुर के प्रति भी Satvik का आदर तथा सेवा का भाव रहेगा तथा वे भी इनको पूर्ण स्नेह तथा सहानुभूति प्रदान करेंगे साथ ही ससुर भी समय समय पर महत्वपूर्ण मामलों में Satvik का दिग्दर्शन करेंगे। लेकिन साले एवं सालियों के साथ संबंध अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर मतभेद एवं तनाव की बहुलता रहेगी। साथ ही एक दूसरे के प्रति प्रतिद्वन्दिता तथा ईर्ष्या का भी भाव रहेगा। लेकिन यदि Satvik तथा वे आपस में सामंजस्य रखें तो संबंधों में अनुकूलता आ सकती है। इस प्रकार ससुराल में Satvik के संबंध सामान्यतया अच्छे ही रहेंगे।